

17/10/85

पत्रावली केमें करील प्रतीक
 तबही जयंत पत्र प्रस्तुत किये जाने
 पर पत्रावली काज रत्न की पत्र
 पत्रावली काज पत्रे दुई करील जयंत
 इत्ये प्रथम पत्र प्रस्तुत करील
 काले की भावना से का प्रस्तुत
 करिये किन्तु यद्यपि परमात्मे की
 का निकल किये जाने पर प्रत्ये
 का करिये किन्तु यद्यपि यथा
 जो युक्त है इतः उम्हें प्रथम पत्र
 को ज्ञान चालने का कोई कोषिक
 नहीं है इतः प्रथम पत्र किन्तु
 यद्यपि तिसा पाठों के पत्रावली
 किन्तु युक्त है इतः उम्हें प्रथम
 का ही है इतः यद्यपि यथा

लोक अदायत
 ही कावता
 के लिये
 विद्वे अतीत
 करणों।
 जयंत
 जयंत

सहायक कलक्टर एवं
 उपखण्ड अधिकारी
 बीपाड़ शहर (जोधपुर)